being effected are through the winding up of the Joint Technical Group on Transport Planning and the Planning Advisers' Offices in Lucknow and Patna.

Statement

Post	*No.*
Adviser/Joint Secretary	3
Member Secretary Research Programmes Committee/Chief	2
Director/Joint Director	7
Senior Economist/Junior Economist	10
Senior Research Officer/ Research Officer/Assistant Editor	12
Private Secretary/Assistant Private Secretary/Stenographer Grade I	14
Investigator	10
Clerk	10
Class IV posts	9
Total	77

Conference of non-Aligned Nations for Peace Talks on Vietnam and Middle East situation

*1160. SHRI PREM CHAND VERMA:
SHRI RAMAVATAR SHASTRI:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the President of Yugoslavia has taken initiative for peace talks on Vietnam and Middle East on behalf of non-aligned nations and has proposed afresh a Conference of non-aligned nations;

(b) if so, whether any communication from the President of Yugoslavia has been received by Government of India or any consultations made through our Ambassador or Envoy deputed by the Government of Yugoslavia; and

(c) if so, Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI B. R. BHAGAT): (a) to (c). In a recent letter which the President of Yugoslavia addressed to the Prime Minister of India, he suggested exploring the possibility of holding a conference of non-aligned nations. In her reply, the Prime Minister has welcomed the idea indicating that such a conference would need careful preparation and detailed consultations.

हज यात्री

*1161. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हज यात्रियों को पारपत्र हज समिति की सिफारिशों पर जारी किये जाते हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि हज यात्रियों के पर्ववृत्त की जांच नहीं कराई जाती ;

(ग) क्या 6 जनवरी 1968 को ब्लिट्ज़ में प्रकाशित हुई यह बात सही है कि सीमाशुल्क अधिकारियों को कुछ हज यात्रियों के पास से चोरी छिपे लाई गई कुछ वस्तुयें भी मिली है ; और

(घ) यदि हाँ, तो क्या हज यात्रियों को पारपत्र जारी करने से पहले उनके पूर्ववृत्त के बारे में जाच कराने का सरकार का विचार है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सुरेन्द्रपाल सिंह) : (क) जी नहीं ।

हज पर जाने वाले व्यक्तियों को हज समिति, बंबई, हज पास (पिलग्रिम पास) देती है ये पास सिर्फ उन्हीं लोगों को दिए जाते है जिनके जहाज प्रार्थना पत्र ठीक पाए जाते हैं और जो जेद्दा जाने के लिए लाटरी के आधार पर जहाज में स्थान पाने में सफल हो जाते हैं। हज पास सिर्फ सऊदी अरब के लिए ही वैध होते हैं।

(ख) हज यात्रा के इच्छुक व्यक्ति के पूर्ववृत्त की इस तरह तसदीक नहीं की जाती बहरहाल, कुछ पाबंदियां लगाई गई हैं। अगर, प्रार्थना-पत्रों की जांच पर यह पाया जाता है कि यात्री इन पाबंदियों के दायरे में नहीं आते तो उन्हें जाने की अनुमति दे दी जाती है।

(ग) पिछले कुछ वर्षों में कस्टम अधिकारियों ने तस्करी के संदेह से कुछ ही लोगों के मामलों की सूचना दी है।

(घ) ऊपर (ग) में बताई गई सूचना को देखते हुए, सरकार का मौजूदा तरीके को बदलने का इरादा नहीं है।

Fighting forces

*1162. SHRI BENI SHANKER SHARMA: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether there is perfect co-ordination between the different Branches of our fighting forces;

(b) if so, whether they ever do some exercise to test the efficacy of the co-ordinating system; and

(c) whether he has ever attended such exercises and felt satisfied with their performance?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI SWARAN SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) Yes, Sir.

Atmosphere in Defence establishments' Messes|Clubs|Institutes

*1163. SHRI BAL RAJ MADHOK: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that atmosphere in Defence Establishments particularly in Defence Officers' Messes, Clubs and Institutes continues to be more English than Indian as was the case in pre-Independence days;

(b) whether it is also a fact that even in the matter of portraits put up in the Defence Officers' Messes, Indian Military heroes do not find any place;

(c) whether this situation creates a psychological barrier between the Officers and Other Ranks of the Defence Forces, which is neither conducive to efficiency nor to the creation of the fellow-feeling between the Officers and Other Ranks; and

(d) if so, the steps Government contemplate to improve the situation in this regard?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI SWARAN SINGH): (a) No, Sir.

(b) No, Sir.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

आयुध कारखाने

*1164 श्री कंवर लाल गुप्त : क्या रक्षा मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हमारे आयुध कारखानों में काफी क्षमता बेकार है ;

(ख) यदि हां, तो प्रत्येक आयुध कारखाने में बेकार क्षमता का ब्यौरा क्या है तथा इसके फलस्वरूप देश को प्रतिवर्ष कितनी हानि हो रही है; और

(ग) सरकार क्या कार्यवाही कर रही है जिससे यह हानि न हो ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ल०ना० मिश्र) : (क) से (ग). आपात स्थिति की घोषणा के पश्चात् रक्षा सेवाओं की बढ़ी चढ़ी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये वस्त्र तथा सामान्य सामान की क्षमताएं बढ़ाई गई थीं। वस्त्र मदों की कमियां 1964 तक अधिकतर पूरी हो जाने पर, उसके पश्चात् के वर्षों